RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : गुरुवार 19 दिसंबर 2024 वर्ष 06 अंक 246 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

मुंबई में 10 वर्षों में बेस्ट बसों से जुड़ी 1,970 दुर्घटनाओं ...

Page - 4

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधानसभा में दोबारा पेश किया विशेष लोक सुरक्षा विधेयक

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार (18 दिसंबर) को राज्य विधानसभा में विशेष लोक सुरक्षा विधेयक दोबारा पेश किया. उन्होंने कहा कि प्रास्तावित कानून का उद्देश्य वास्तविक असहमति की आवाजों को दबाना नहीं, बल्कि शहरी नक्सलियों के पनाहगाहों को समाप्त करना है. एकनाथ शिंदे नीत पूर्ववर्ती महायुति गठबंधन सरकार ने इस साल जुलाई में मानसून सत्र के दौरान विधानसभा में 'महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा अधिनियम, 2024' नाम से यह विधेयक पेश किया था. हालांकि, उस समय यह पारित नहीं हो पाया था. विधानसभा चुनाव के बाद फडणवीस के नेतृत्व में आई नयी सरकार ने सदन में इस विधेयक को दोबारा पेश किया है. सदन में विधेयक पेश करते हुए फडणवीस ने कहा कि इसे राज्य विधानमंडल की संयुक्त प्रवर समिति को भेजा जाएगा ताकि इससे संबंधित सभी संदेह दूर किए जा सकें.

उन्होंने कहा कि हितधारकों की राय पर विचार किया जाएगा और विधेयक को अगले वर्ष जुलाई में मुंबई में होने वाले राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र में मंजूरी दी जाएगी. फडणवीस ने कहा, ''नक्सलवाद केवल सुदूर ग्रामीण इलाकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शहरी इलाकों में भी ऐसे संगठन उभर आए हैं जो देश और इसकी संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने का काम करते हैं.''

'शहरी नक्सलियों के ठिकानों को बंद करना है'

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि महाराष्ट्र में नक्सल विरोधी दस्ते भी शहरी नक्सलियों की गतिविधियों को रोकने के लिए ऐसा कानून चाहते हैं. इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य वास्तविक असहमति की आवाजों को दबाना नहीं है, बल्कि शहरी नक्सलियों के ठिकानों को बंद करना है.'' कांग्रेस नेता नाना पटोले ने सवाल उठाया कि जब मौजूदा कानूनों में नक्सलवाद से निपटने के प्रावधान हैं तो अलग कानून की क्या जरूरत है. इस पर फडणवीस ने जवाब दिया कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद से निपटने के लिए कोई कानून नहीं है.

महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने दिया सुझाव ;

महाराष्ट्र में अब मंदिरों की तरह मस्जिद और चर्च भी सरकार के नियंत्रण में आ सकते हैं

मुंबई : महाराष्ट्र में अब मंदिरों की तरह मस्जिद और चर्च भी सरकार के नियंत्रण में आ सकते हैं। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मंगलवार को राज्य सरकार को यह सुझाव दिया। मंत्री जयकुमार रावल ने उन्हें इस पर विचार करने का आश्वासन दिया।

दरअसल, विधानसभा में फडणवीस सरकार ने प्रभादेवी स्थित प्रसिद्ध स्वयंभू सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट (प्रभादेवी) संशोधन विधेयक 2024 पेश किया था। नार्वेकर ने विधेयक पर मतदान भी कराया। विधेयक पर चर्चा के दौरान नार्वेकर ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार को संविधान के प्रावधानों के अनुसार अन्य धर्मों पर भी वही सिद्धांत लागू करने पर विचार करना चाहिए। मंत्री जयकुमार रावल ने उन्हें इस पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) विधायक भास्कर जाधव ने कहा कि अगर सरकार सिद्धिविनायक मंदिर के ट्रस्टियों की संख्या 9 से बढ़ाकर 15 करने का फैसला करती है, तो इसमें विपक्षी दल के सदस्यों को भी शामिल किया जाना चाहिए। फिलहाल, शिवसेना के सदा सरवणकर ट्रस्ट के अध्यक्ष और मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी कोषाध्यक्ष हैं।

पांच वर्ष हुआ सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट की समिति का कार्यकाल

सिद्धिवनायक मंदिर ट्रस्ट का कार्यकाल अब 3 साल से बढ़ाकर 5 साल हो गया। संशोधित विधेयक के तहत ट्रस्ट की कार्यकारिणी में एक अध्यक्ष, एक कोषाध्यक्ष और एक समिति के गठन का प्रावधान है, जिसकी संख्या 15 से अधिक नहीं होगी। यह संशोधन श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने, विभिन्न योजनाओं को लागू करने, ट्रस्ट के प्रभावी प्रबंधन और सुशासन को सक्षम करने के उद्देश्य से किया गया।

फडणवीस-उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर क्या बोले शिंदे

यहीं लोग उनकी सरकार पर लगाते थे आरोप...

एकनाथ शिंदे ने एमवीए के नेताओं को अंदर झांकने को कहा

मुंबई: शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस उद्धव ठाकरे की पहली मुलाकात पर एकनाथ शिंदे ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। सीएम से डिप्टी सीएम हुए शिंदे ने बुधवार को नागपुर में कहा कि महाविकास अघाड़ी को अपने अंदर झांकना चाहिए कि पिछले 2.5 साल में उन्होंने हमारी सरकार के बारे में क्या कहा था? यह अच्छा है कि जो लोग हम पर आरोप लगाते थे, उन लोगों के मन में अच्छी बातें आ रही हैं। शिंदे ने कहा कि यह बदलाव अच्छे हैं। शिंदे ने नाम नहीं लिया लेकिन उनका इशारा उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता संजय राउत के लिए था।

शिंदे को मिल गया बड़ा मौका

शिवसेना यूबीटी चीफ और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को नागपुर में देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। उनके साथ उनके बेटे आदित्य ठाकरे और वरली से जीते वरुण सरदेसाई भी पहुंचे थे। उद्धव और फडणवीस के बीच करीब 15 मिनट तक बातचीत चली थी। इसके बाद महाराष्ट्र की सियासत में गर्मी आ गई थी। उद्धव ठाकरे मंगलवार को शीतकालीन सत्र को अटेंड करने के लिए नागपुर पहुंचे थे। अब एकनाथ शिंदे ने नाम लिए वगैर उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत के पुराने बयानों को लेकर इशारों में तंज कस दिया है। शिंदे अब सरकार में डिप्टी सीएम हैं। महायुति के पहले कार्यकाल में वह सीएम थे। तब शिवसेना की तरफ काफी तीखे आरोप लगाए जाते थे। शिंदे को गद्दार भी कहा गया था।

एक तरफ जहां एकनाथ शिंदे फडणवीस से उद्धव के मिलने को लेकर तंज कसते हुए विचारों में बदलाव आने को अच्छा करार दिया है तो वहीं बीजेपी ने भी उद्धव ठाकरे की मुलाकात पर चुटकी ली है। महाराष्ट्र बीजेपी के प्रवक्त राम कुलकर्णी ने कहा कि या तो तुम रहोगे या मैं रहूंगा, भीष्म जैसी प्रतिज्ञा करने वालों की राजनीतिक सनक आखिरकार तीसरी बार पलटी। नागपुर की गुलाबी सर्दी में वे अपने बेटे के साथ मुख्यमंत्री कक्ष में गए। देवेन्द्र फडणवीस के लिए फूलों का गुलदस्ता लेकर आए। इसे कहते हैं नीति का खेल, राजनीति का मेल।

समुद्र हादसे में 13 लोगों की दर्दनाक मौत!

मुंबई : मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया से एलीफेंटा आइलैंड की ओर दर्जनों यात्रियों को लेकर जा रही एक नाव बुधवार को टक्कर के बाद पलट गई. जानकारी के मुताबिक यात्री जहाज में नौसेना की एक स्पीड बोट ने टक्कर मार दी. हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें नाव पानी में डूबती नजर आ रही है. वीडियो में लाइफ जैकेट पहने लोग यात्रियों को बचाते हुए दिखाई दे रहे हैं. एम देवेंद्र फडणवीस ने जानकारी दी है कि नौसेना की एक नाव नीलकमल नाम के यात्री जहाज से टकरा गई. फिलहाल 101 को बचा लिया गया है और 13 लोगों की मौत हो गई है जिसमें 10 आम लोग और तीन नौसैनिक शामिल हैं. पांच की हालत गंभीर बताई जा रही है।

वीडियो में नाव पर सवार लोगों को एक दूसरे जहाज पर जाते हुए देखा जा सकता है. घटना बुधवार शाम 5:15 बजे की है. जेओसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, एलीफेंटा के रास्ते में नीलकमल फेरी बोट उरण, करंजा के पास टक्कर के बाद पलट गई. शुरूआती रिपोर्ट्स से पता चला कि नाव में लगभग 110 से अधिक लोग सवार थे. घटनास्थल पर बचाव एवं राहत कार्य जारी है और 108 एंबुलेंस और मरीन पुलिस मौके पर मौजूद है. जानकारी के अनुसार अधिकांश यात्रियों को बचा लिया गया है और 13 लोगों की मौत हो गई है और पांच गंभीर रूप से घायल हैं।

संपादकीय...

तपोवन साक्षी है

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

तपोवन में विधानसभा परिसर और वहां उगी दूब में साल के बेहद कीमती घटनाक्रम का इंतजार। एक रिवायत की स्थिरता में चंद फूल और कांटे भी। यहां जीवंतता का उत्साह शिमला परिसर से भिन्न और खुले आकाश के नीचे सत्ता का प्रारूप बदल जाता है। कुछ आक्रोश अगर प्रदेश में उभरते हैं, तो तपोवन साक्षी है कि यहां कहने की अनुगूंज हिमाचल के पर्वतों से रास्ता निकाल लेती है, वरना शिमला में राजधानी का कद मोहलत नहीं देता। आज का दिन तपोवन का दिन है, लेकिन चार दिनों की चांदनी के बाद कौन सोचेगा कि इस लोकतांत्रिक प्रतीक के वार्षिक फलक पर स्थायी चांदनी चाहिए। भाजपा अपनी चांदनी में तपोवन के शीतकालीन सत्र का शृंगार आक्रोश रैली से करेगी। शायद यह बिलासपुर में सरकार के दो साला जश्न के मुकाबले में पूरी तरह उतर आए या सदन तक मुद्दों की आवाज यहां से ही पहुंच जाए। सवाल दर सवाल, विपक्ष दर विपक्ष और सत्ता दर सत्ता से जुड़ी आकांक्षाएं, उम्मीदें और अपेक्षाएं जब तपोवन को चिरस्थायी रखना चाहती हैं, तो लगता है यह चार दिन का सदन क्या मजबूरी की ढुलाई बन गया है। क्या इसी मंशा से विधानसभा के द्वार धर्मशाला में खुले थे या बस इतनी सी महत्त्वाकांक्षा में निचला हिमाचल संतुष्ट हो गया। आखिर इस सफर के आर्किटेक्ट रहे स्व. वीरभद्र सिंह ने ऐसी मंजिल चुनी कि साल के कुछ महीने सरकार की नजदीकी का आभास यह क्षेत्र करे। शिमला का संतोष, निचले हिमाचल की बेचैनियों को नहीं महसूस करता। वहां से हिमाचल की नीतियां नहीं पढ़ पातीं कि कितने किसान अपने खेत को वीरान कर चुके हैं, क्योंकि यहां जंगली जानवर, बंदर तथा आवारा पशु बढ़ गए हैं। शिमला को नहीं मालूम भरमौर और पांगी में भौगोलिक कठोरता में कितना दम फूलता है। आखिर शिमला की ब्यूरोक्रेसी को अपना सप्ताहांत चंडीगढ़ और दिल्ली के हिमाचल भवन और सदन की निगाहों में ही तो गुजारना है।

इस दौरान किसको परवाह कि सरकारी बसें किसकी मंजिल आने से पहले खड़ी हो गईं या सरकारी होटलों में जायका घाटे की प्लेट पर फीका कैसे हुआ। आश्चर्य यह कि हमारी सियासी बहस को अब एक अदद समोसा या मुर्गा चाहिए, लेकिन मुर्गा बनी परंपराएं दिखाई नहीं देतीं। किसमें इतना दम है कि पूछे कि सत्ता और विपक्ष के बीच कितने विधायक मुर्गा बन गए या इधर की पाली, उधर की ताली कैसे हो गई। हम सिर्फ पाले बदलती राजनीति देख रहे हैं, जहां हकीकत को भी मसखरेपन का आलेप लगाया जा रहा है। छात्र नहीं आ रहे तो भी स्कूल की इमारतों के जश्न और समारोह होने चाहिएं ताकि कोई हारा उम्मीदवार भी मुख्यातिथि बन सुशोभित हो और एक-दो नए कमरों के निर्माण की घोषणा कर दे।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

हार्मोंस देकर लाखों में बेचते थे बच्चे; तीन लड़कियों और दो लड़कों को 1.5 लाख से 3.8 लाख रुपये में बेचा..

मुंबई : बच्चे किसी भी रूप-रंग के हों, हर हाल खूबसूरत होते हैं। मगर, आरोप है कि कुछ लोग इंसानियत को शर्मसार करने वाले काम कर रहे हैं। ये लोग छोटे बच्चों को चुराकर उनके रंग-रूप को कृत्रिम तरीकों से बदलकर बेचने का काम करते हैं। मांटुगा पुलिस ने ऐसे एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह द्वारा तीन लड़कियों और दो लड़कों को 1.5 लाख से 3.8 लाख रुपये में बेचे जाने का खुलासा हुआ है। जांच से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरोह के लोग रंग और नैन नक्श के आधार पर बच्चों के दाम तय करते हैं। उन्हें जरूरतमंदों के हाथों बेच देते हैं। इसके लिए वे विभिन्न प्रकार के हॉर्मोंस का इस्तेमाल करते हैं, ताकि बच्चे बड़े और 'खूबसूरत' दिखाई दें।

निःसंतान लोगों को बेचते हैं बच्चे

पुलिस सूत्रों ने बताया कि पकड़ी गईं नौ महिलाओं समेत दस आरोपियों के लिंक देशभर में होने वाले मानव तस्करी से मिले हैं। ये लोग न सिर्फ मानव तस्करी गिरोह के लिए काम करते हैं, बल्कि निःसंतान लोगों को खोजकर उन्हें चुराए गए बच्चे मुंहमांगे दामों पर बेच देते हैं। यहां तक कि पीड़ितों को वेश्यावृत्ति, भीख मांगने और अन्य शोषणकारी गतिविधियों को भी करने के लिए मजबूर करते हैं। लड़कियों को हॉर्मोंस के इंजेक्शन देकर उन्हें समय से पहले बड़ा कर बेच दिया जाता है। पुलिस को इन आरोपियों के पास से मानव तस्करी का शिकार बने बच्चों, किशोर-किशोरियों और वयस्कों की एक सूची मिली है, जिसकी जांच जारी है।

सौंदर्य के अजीब पैमाने

जांच अधिकारियों के मुताबिक, गोरे रंग की बच्चियों की कीमत 4 से 5 लाख रुपये तक वसूली जाती है, जबकि सांवले और मध्यम रंग वालों की कीमत 2 लाख से 3 लाख रुपये तक होती है। खड़ी नाक या बादाम के आकार जैसी आंखें हों तो उन बच्चों की कीमतें और अधिक होती हैं। इसलिए बच्चा चुराते वक्त किडनैपर बच्चों की आंखें, नाक और चेहरे पर भी ध्यान देते हैं। सांवले रंग की बच्चियां हों तो उन्हें देह व्यापार कराने वाले रैकेट और दिव्यांग बच्चों को भीख मंगवाने वाले गिरोह के हाथों 50 हजार से डेढ़ लाख तक में बेच दिया जाता है। इनके निशाने पर वे गरीब परिवार भी होते हैं, जो बेटियां पैदा होने पर उनकी परवरिश करने के लिए तैयार नहीं रहते हैं।

कैसे हुआ गिरोह का खुलासा

मांटुगा पुलिस को दादर के तिलक ब्रिज के नीचे फुटपाथ पर रह रही एक महिला द्वारा एक महीने की बेटी को एक लाख में बेचने की सूचना मिली थी। जांच में पता चला कि महिला के पति को पुलिस ने एक केस में अरेस्ट कर लिया था। उसको जमानत दिलाने के लिए एक लाख रुपये की आवश्यकता थी, जो उसके पास नहीं थे। इसलिए उसने बेटी को ही एक लाख में बेच दिया। डीसीपी रागसुधा आर ने केस को खुद हैंडल किया। जांच में उन्हें अंतरराज्यीय महिला मानव तस्करी नेटवर्क का पता चला। यह नेटवर्क मुंबई, सांगली, कोल्हापुर, गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, वेस्ट बंगाल और कर्नाटक समेत अन्य हिस्सों तक फैला हुआ है।

अपहृत बच्चों की कीमतें

1. गोरे रंग की बच्चेः 4 से लेकर 5 लाख रुपये तक
2. सांवले और मध्यम रंग के बच्चेः 2 से 3 लाख रुपये तक
3. दिव्यांग बच्चों की कीमतः 50 हजार से डेढ़ लाख तक

तुलसी तालाब और दहिसर नदी से मुंबई के लिए खतरा ?

केंद्रीय जल आयोग के निर्देश पर मनपा तैयार कर रही आपातकालीन योजना प्लान

मुंबई : बईकरों को सामान्य जलापूर्ति करने के लिए मनपा प्रशासन ने तुलसी तालाब का निर्मण किया था। दुर्देव से तुलसी तालाब की दीवार फट जाए तो क्या करेंगे? इसी तरह दहिसर नदी में बाढ़ आ जाएगी तो स्थानीय जनता को कैसे बचाया जाएगा, इसकी चिंता मुंबई मनपा ने की है। दुर्घटना न हो यदि दुर्घटना हो जाती है तो क्या उपाय योजना करनी होगी। मनपा केंद्रीय जल आयोग के निर्देश पर आपातकालीन कार्ययोजना तैयार कर रही है। इस कार्य के लिए मनपा की स्थाई समिति प्रशासक ने मंजूरी दे दी है। मनपा ने उपाय योजना के लिए 15 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। बता दें कि मुंबई में सात तालाब अप्पर वैतरणा, मोड़क सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी तालाब से रोजाना 3950 मिलियन लीटर पानी सप्लाई की जाती है।

मुंबई से 35 किमी दूर बने तुलसी तालाब से मुंबई को हर दिन 1.8 करोड़ लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। यह तालाब का जलग्रहण क्षेत्र लगभग 6.76 किमी है और तालाब के पूरा बाहर जाने पर यह क्षेत्र बढ़कर लगभग 1.35 वर्ग किमी में फैल जाता है। हालांकि भारत के आपदा प्रबंधन प्रदर्शन ऑडिट के महालेखा परीक्षक के अनुरूप निदेशक तालाब सुरक्षा ने मंत्रालय के जल संसाधन विभाग ने सभी प्रमुख शहर बांधों/जलाशयों के लिए आपातकालीन कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया है। इसी के तहत आपातकालीन योजना बनाना जिसमें पूर्व सूचना सहित आपातकालीन प्रबंधन कक्ष एवं अधिकारी, संबंधित पुलिस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मुख्य कार्यालय और सेना, सैन्य बलों सहित संलग्न संबंधित प्रतिष्ठानों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों, जिम्मेदारियों और कर्तव्यों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। शहर में बने बड़े तालाब, जलाशय यदि भारी बारिश, भूकंप, भूस्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की भू-प्राकृतिक आपदा के कारण टूट जाएं, तो इनमे जमा हुए बड़े पैमाने पर पानी से कैसे जीवन की रक्षा की जाये।

मां ने पढ़ने के लिए डांटा तो छात्रा ने किया सुसाइड

डोंबिवली : डोंबिवली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जहां एक 15 वर्षीय छात्रा ने इसलिए सुसाइड कर लिया, क्योंकि उसे उसकी मां ने पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए मोबाइल फोन ज्यादा न चलाने के लिए डांट दिया था। मां की डांट से आहत बच्ची ने डोंबिवली में स्थित मानकोली पुल से खाड़ी में कूदकर खुदकुशी कर ली। इस घटना की जानकारी तब मिली, जब दस दिन पहले लापता हुई लड़की का शव खाड़ी के पास मिला। जानकारी के अनुसार लड़की अपने माता-पिता के साथ डोंबिवली वेस्ट के उमेशनगर इलाके में रहती थी। लड़की के पिता सब्जी बेचने का व्यवसाय करते हैं। गुरुवार, 5 दिसंबर को दोपहर के समय लड़की लगातार मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रही थी। इसी दौरान उसकी मां ने सलाह दी कि वह अपने मोबाइल फोन को ज्यादा न देखे, बल्कि अपनी पढ़ाई पर ध्यान दे। मां की बात लड़की को इतनी बुरी लगी कि वह बिना कुछ बताए घर से निकल गई।

भिवंडी में नहीं थम रही है वाहन चोरी की वारदातें,दो दिन में चार चोरी की घटनाएं।

मुस्तकीम खान

भिवंडी। भिवंडी शहर में वाहन चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है,इसी तरह चार अलग-अलग जगहों से वाहन चोरी की घटनाएं हुई हैं. वाडा निवासी विशाल प्रल्हाद गंधे ने 30 हजार रुपये कीमत की होंडा यूनिकॉर्न मोटरसाइकिल तिलक चौक पर सालिनी निवास के सामने इमारत की पार्किंग में खड़ी की थी। जहां से चोरों ने वाहन को चोरी कर लिए विशाल पल्हाद ने बताया कि 8 दिसंबर को इसे पार्क किया गया था, एक अज्ञात चोर ने इसे चुरा लिया, जिसकी शिकायत निजामपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।इसी तरह शांतिनगर पुलिस स्टेशन अंतर्गत टेमघर पाइपलाइन इलाके में रहने वाले गणेश रमेश गायकवाड़ की बाइक चोरी हो गई उन्होंने पुलिस में मामला दर्ज कराया है। वहीं भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में एक और नारपोली पुलिस स्टेशन में एक वाहन चोरी का मामला दर्ज हुआ है, जिससे रहवासियों में दहशत फैल गई है।

मुंबई : तीन प्रमुख भूखंडों की नीलामी के बीएमसी के प्रस्ताव को बोलीदाताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली

मुंबई : मुंबई वर्ली, क्रॉफर्ड मार्केट और मालाबार हिल में तीन प्रमुख भूखंडों की नीलामी के बीएमसी के प्रस्ताव को बोलीदाताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि एलएंडटी, गोदरेज प्रॉपर्टीज, वेलस्पन वर्ल्ड, एच एन सफल, रनवाल डेवलपर्स, डी बी रियल्टी जैसी प्रसिद्ध रियल्टी कंपनियों और आर्किटेक्ट्स के प्रतिनिधियों ने नीलामी पर चर्चा करने और इन जमीनों को 30 साल की लीज पर हासिल करने के लिए 12 नवंबर को प्री-बिड मीटिंग में रुचि दिखाई थी। हालाँकि, उनमें से किसी ने भी 16 दिसंबर को बीएमसी की बोली का जवाब नहीं दिया।

बीएमसी के तीन प्रमुख सोबो भूखंडों की नीलामी के लिए कोई बोलीदाता नहीं बीएमसी के संपदा विभाग के एक नागरिक अधिकारी ने कहा, ''किसी भी कंपनी ने अपना कोटेशन जमा नहीं किया। उन्हें हमारा आधार मूल्य बहुत अधिक लगा होगा।'' विभाग अब नागरिक प्रमुख और प्रशासक भूषण गगरानी को सूचित करेगा, जो अगली कार्रवाई के बारे में निर्णय लेंगे। इच्छुक पक्षों ने बोली-पूर्व बैठक के दौरान पूछा था कि क्या कोई भूखंड तटीय विनियमन क्षेत्र नियमों के अंतर्गत आता है। बीएमसी ने स्पष्ट किया था कि ऐसा नहीं है। संभावित बोलीदाताओं को कुछ पात्रता मानदंडों को पूरा करना होगा, जिसमें न्यूनतम सकल वार्षिक कारोबार ₹300 करोड़ और तीन वित्तीय वर्षों में कम से कम ₹150 करोड़ की शुद्ध संपत्ति शामिल है। इन बिक्री से प्राप्त आय से नगर निकाय द्वारा शुरू की गई विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निधि देने की उम्मीद है।

दूसरा प्लॉट मालाबार हिल में बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग का रिसीविंग स्टेशन है, जो टेंडर दस्तावेज के अनुसार ''जीर्ण-शीर्ण'' है। बीएमसी सूत्रों ने कहा कि हालाँकि बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट के पास प्लॉट है, लेकिन प्रॉपर्टी कार्ड में बीएमसी को जमीन का मालिक बताया गया है, और बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट ने प्लॉट को नागरिक निकाय को वापस दे दिया है। तीसरा प्लॉट वर्ली में है और इसमें डामर प्लांट और बीएमसी टेस्टिंग लैब है।

क्रिकेट खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से एक शख्स की मौत

मुंबई : क्रिकेट खेलते समय दिल का दौरा पड़ने से एक शख्स की मौत हो गई. मुंबई के आजाद मैदान में क्रिकेट खेलते समय ये घटना हुई. मृतक का नाम विक्रम अशोक देशमुख था और पेशे से वो इंजीनियर था. विक्रम एक आईटी कंपनी में काम करता था. वो अक्सर आजाद मैदान में क्रिकेट खेलने आता था. जिस समय विक्रम अशोक देशमुख को दिल का दौरा पड़ा, उस समय वो आजाद मैदान में 25 ओवर का एक अभ्यास मैच खेल रहा था. उसकी टीम 159 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और वो सबसे ज्यादा रन बनाकर अपनी टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया था.

10वें ओवर में विक्रम को पहली बार सीने में दर्द महसूस हुआ, लेकिन अगले छह ओवर तक वो खेलता रहा. 17वें ओवर में एक रन पूरा करने के बाद वो अचानक जमीन पर गिर पड़ा. विक्रम को उठाकर हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद आजाद मैदान पुलिस ने एडीआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

लोकल ट्रेन में नग्न हालत में घुस गया... टीसी ने धक्के देकर ट्रेन से उतारा

मुंबई : सोशल मीडिया पर चर्चा पाने के लिए अजीब हरकतें करना आजकल का ट्रेंड बन गया है. लोग कई बार ऐसी अजीब हरकतें भी करते हैं, जो हैरान कर देती हैं. ऐसी ही एक घटना मुंबई की लाइफलाइन कहलाने वाली लोकल ट्रेन में भी हुई है. लोकल ट्रेन में एक शख्स बिना कपड़ों के यानी पूरी तरह नग्न हालत में घुस गया और ट्रेन के अंदर इस तरह टहलने लगा कि मानो वह किसी पार्क में घूम रहा है. ट्रेन के कोच में मौजूद महिला यात्री ये नजारा देखकर बदहवास हो गईं और शोर मचाने लगीं. इसके बाद उस व्यक्ति के साथ जो हुआ, वो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है.

क्या दिख रहा है वायरल वीडियो में

यह अजब घटना 16 दिसंबर की शाम की बताई जा रही है. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कल्याण के लिए शाम 4.11 बजे चलने वाली एसी लोकल ट्रेन में एक व्यक्ति पूरी तरह नंगा होकर घुस गया. वीडियो में दिख रहा है कि वह शख्स आराम से ट्रेन के अंदर घूम रहा है. बहुत सारी महिलाएं उसका विरोध जताते हुए शोर मचाती दिख रही हैं. कई पुरुष यात्री भी उसे डांट रहे हैं, लेकिन वो शख्स बिना किसी डर के आराम से घूमता रहा है.

टीसी ने धक्के देकर ट्रेन से उतारा

महिलाओं के विरोध और हंगामे के बीच ट्रेन का टीसी (टिकट चेकर) भी वहां पहुंच गया. उसने भी उस शख्स को ट्रेन से उतरने के लिए कहा. उस शख्स ने ट्रेन से उतरने से इंकार कर दिया तो उसे जबरन धक्के देकर स्टेशन पर ट्रेन से उतारा गया. इस पूरी घटना का वीडियो कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन से शूट किया है, जिसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया है. सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ वीडियो

यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. इस वीडियो पर लोग तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि इस घटना ने लोकल ट्रेन में महिला सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं. साथ ही रेलवे की व्यवस्था भी सवालों के घेरे में आ गई है. कई लोगों ने उस शख्स को पुलिस के हवाले नहीं किए जाने को लेकर भी चिंता जाहिर की है.

दीवार गिरने से मजदूर की दर्दनाक मौत

भिवंडी : भिवंडी के अंजुरफाटा क्षेत्र में वसई-दिवा रेल्वे लाइन के चौपदरीकरण कार्य के दौरान एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा सोमवार शाम को हुआ जब कंक्रीट की संरक्षक दीवार मजदूर के ऊपर गिर गई। मृतक मजदूर की पहचान कमल्या जयराज वालकुभाई (22) के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह रेलवे कार्य टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड के माध्यम से माया एंटरप्रायजेस कंपनी द्वारा किया जा रहा था। कंक्रीट की संरक्षक दीवारें गहरे गड्ढों में क्रेन की सहायता से उतारी जा रही थीं। इसी दौरान एक कंक्रीट बीम का हिस्सा दरार आने के कारण क्रेन से फिसल गया और नीचे खड्डे में खड़े कमल्या जयराज वालकुभाई के ऊपर गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही नारपोली पुलिस मौके पर पहुंची और मजदूरों की सहायता से मृतक के शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया गया।

8.5 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी... बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीमा कंपनी के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक को जमानत देने से इनकार किया

मुंबई : मुंबई बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक निजी बीमा कंपनी के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसे कथित तौर पर 8.5 करोड़ रुपये की वित्तीय धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने बृजेंद्र कुमार अवधेश सिंह की जमानत याचिका को खारिज कर दिया, जिससे आवेदक के खिलाफ एक मजबूत प्रथम दृष्टया मामला सामने आया, और उसे ''इस कार्यप्रणाली के पीछे का दिमाग'' कहा।

सिंह के खिलाफ 12 अक्टूबर, 2023 को एफआईआर दर्ज की गई थी, जो 2008 से 14 मई, 2020 के बीच टाटा एआईजी के साथ एक वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में काम कर रहे थे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन्होंने एक अन्य सह-आरोपी के साथ मिलकर सेवा के लिए रिकॉर्ड पर फर्जी विक्रेताओं को दिखाकर और उनके नाम पर धन निकालकर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं की थीं। यह आरोप लगाया गया था कि सेवा के नाम पर इन फर्जी संस्थाओं को हस्तांतरित की गई राशि सिंह और उनके परिवार के सदस्यों के खातों में भेजी गई थी।

इससे पहले, सिंह के सह-आरोपी को मजिस्ट्रेट अदालत ने जमानत दे दी थी, जिसमें कहा गया था कि उनकी निरंतर हिरासत से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा, क्योंकि जांच पूरी हो चुकी है और आरोपपत्र दाखिल हो चुका है। सिंह ने जमानत मांगी थी, जिसमें दावा किया गया था कि वे ऐसे विक्रेताओं को राशि वितरित करने के लिए हस्ताक्षर करने वाले प्राधिकारी नहीं थे। उन्होंने कहा कि आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है और उन्होंने एफआईआर दर्ज करने में देरी पर भी सवाल उठाया।

अभियोजन पक्ष ने उनकी जमानत याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि सिंह साजिश का 'सरगना' है, और कंपनी द्वारा उन पर जताए गए भरोसे का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि सिंह ने 11 से अधिक संस्थाओं को समझौते निष्पादित करके और भुगतान करके एक वरिष्ठ प्रबंधक के रूप में अपने पद का दुरुपयोग किया, जो अंततः फर्जी पाए गए, जिससे कंपनी को 8.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

मुंबई में 10 वर्षों में बेस्ट बसों से जुड़ी 1,970 दुर्घटनाओं में 173 लोगों की मौत !

मुंबई : मुंबई हाल ही में कुर्ला में हुई बेस्ट बस दुर्घटना, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई, ने परिवहन प्राधिकरण से जुड़ी दुर्घटनाओं पर ध्यान केंद्रित किया है। प्राप्त 2014-15 से 2023-24 तक के डेटा से पता चला है कि पिछले 10 वर्षों में बेस्ट बसों से जुड़ी 1,970 दुर्घटनाओं में 173 लोगों की मौत हुई है। हालांकि, दुर्घटनाओं, मौतों और घायलों की कुल संख्या में साल-दर-साल गिरावट आई है। कुर्ला में एक सड़क पर तेज गति से चल रही बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन उपक्रम (बेस्ट) की बस के कई वाहनों से टकराने के बाद एक कार का मलबा।

बेस्ट डेटा से पता चलता है कि 2023-24 में सबसे कम दुर्घटनाएँ (54 और 10 मौतें) दर्ज की गईं। सूत्रों ने कहा कि इस साल अप्रैल से नवंबर के बीच परिदृश्य सकारात्मक रहा, जिसमें 35 दुर्घटनाएँ और चार मौतें हुईं। हालांकि, दिसंबर क्रूर रहा।न इस महीने में, कुर्ला, गोवंडी और छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर तीन दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें 10 लोगों की मौत हो गई। इसमें 9 दिसंबर की चौंकाने वाली दुर्घटना भी शामिल है, जब एक इलेक्ट्रिक बस चला रहे वेट-लीज चालक ने लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 41 घायल हो गए।

सूत्रों ने बताया कि पिछले एक दशक में, 1,970 दुर्घटनाओं में से 1,574 से अधिक लोग घायल हुए। पिछले चार वित्तीय वर्षों में, 2020 से 2024 तक, वेट-लीज ऑपरेटर 482 दुर्घटनाओं में शामिल रहे हैं, जिसमें 36 लोगों की मौत हुई और 76 लोग घायल हुए। बेस्ट के एक अधिकारी ने कहा, ''2019-20 से, दुर्घटनाओं के आंकड़े दोहरे अंकों में गिर गए हैं और तब से लगातार घट रहे हैं।'' ''वास्तव में, दो वर्षों तक हम घातक दुर्घटनाओं की संख्या को 10 से कम रखने में सफल रहे, जिनमें मृत्यु भी शामिल थी।

हालांकि, हाल ही में कुर्ला में हुई दुर्घटना ने हमें वहीं लाकर खड़ा कर दिया है, जहां से हमने शुरूआत की थी। हम दुर्घटनाओं पर नियंत्रण रखने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं, लेकिन कुर्ला की दुर्घटना ने हमारी कमियों को उजागर कर दिया है, न केवल ड्राइवरों को प्रशिक्षित करने के तरीके में बल्कि यह तथ्य भी कि नई स्वचालित बसें पुरानी मैनुअल बसों की तुलना में तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत हैं और इसलिए उन्हें अधिक सावधानी से चलाना पड़ता है।

सायन इलाके में आवारा कुत्ते पर लोहे की रॉड से हमला करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबईः पुलिस ने मुंबई के सायन इलाके में एक आवारा कुत्ते पर लोहे की रॉड से हमला करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना तब सामने आई जब कार मैकेनिक हैदर अली ने अपना गैराज खोला और वहां एक आवारा कुत्ता बेहोश पड़ा हुआ पाया। प्रत्यक्षदर्शियों ने उन्हें बताया कि किसी ने कुत्ते के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया। बाद में हैदर और उसके दोस्त कुत्ते को शिवड़ी के एक पशु अस्पताल ले गए, जहां जानवर का इलाज चल रहा है। उसकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पाया कि एक व्यक्ति लोहे की रॉड से कुत्ते पर हमला कर रहा है। इसके बाद सायन पुलिस ने तलाश शुरू की और आरोपी को पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि उसे पशु क्रूरता अधिनियम की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

भिवंडी में क्रेन का तार टूटकर गिरने से 22 वर्षीय एक मजदूर की मौत

ठाणेः भिवंडी में एक रिटेनिंग वॉल उठाते समय क्रेन का तार टूटकर गिरने से 22 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान जयराज वाकुभाई कमालिया के रूप में हुई है, जो भिवंडी के खरबाओ गांव में अपने परिवार के साथ रहता था। वह कार्यस्थल पर सुपरवाइजर के रूप में काम करता था। भिवंडी में रिटेनिंग वॉल को क्रेन की मदद से उठाया जा रहा था, तभी अचानक तार टूट गया और रिटेनिंग वॉल एक मजदूर पर गिर गई। यह घटना भिवंडी के रहनाल गांव में हुई, जहां ट्रैक विस्तार का काम चल रहा है। अन्य मजदूर और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी। उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रमोद कुंभार ने कहा, ''हमने अभी तक आकस्मिक मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज की है। आगे की जांच जारी है।''

बिल्डर के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी : शहर में जमीन मालिकों के साथ विश्वासघात कर उनकी हिस्सेदारी के फ्लैट और दुकानें बेचने के मामले में नारपोली पुलिस थाने में एक बिल्डर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भिवंडी के मौजे ताडाली क्षेत्र के जमीन मालिक श्याम रामू चौधरी, उनके भाई छत्रपती रामू चौधरी और अशोक रामचंद्र पाटील की कुल 9850 वर्ग मीटर जमीन थी। इस जमीन को श्री हरी रियल्टी के भागीदार निमेश शशिकांत ठक्कर को 45% भागीदारी के करार पर विकास के लिए दिया गया था। भिवंडी महानगरपालिका की अनुमति से उक्त जमीन पर ''देवदृष्टि एम्पायर'' नाम की दो इमारतों का निर्माण किया गया, जिनमें कुल 209 फ्लैट और 26 व्यावसायिक गालों का निर्माण हुआ। जमीन मालिकों के साथ हुए पंजीकृत समझौते के अनुसार, बिल्डर को जमीन मालिकों को 94 फ्लैट और 12 व्यावसायिक गाले देना अनिवार्य था।

अवैध हथियारों के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

नवी मुंबई : नवी मुंबई पुलिस ने अवैध हथियार रखने और बेचने की योजना बना रहे तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में दो ऑटो रिक्शा चालक किशोर धाडी और यशवंत सात्रे, और ऋषिकेश शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, इनका एक और साथी अर्जुन जाधव फरार होने में सफल रहा है। जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच को मिली एक गुप्त सूचना के आधार पर पनवेल पुलिस थाना क्षेत्र से इन तीनों को पकड़ा है। कार्रवाई के दौरान इनके पास से दो पिस्तौल बरामद की गई, जिनकी अनुमानित कीमत 1.2 लाख रुपये है। पुलिस ने बताया कि आरोपी इन अवैध हथियारों को बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'इनके पास से दो पिस्तौल जब्त की गई हैं। इन हथियारों को बेचने के लिए इनका नेटवर्क सक्रिय था। मामले की गहराई से जांच की जा रही है।' रिपोर्ट के मुताबिक मौके पर चार आरोपी मौजूद थे, लेकिन उनमें से एक अर्जुन जाधव फरार हो गया। पुलिस अब उसकी तलाश में जुटी है और फरार आरोपी के नेटवर्क और इस अवैध हथियारों की आपूर्ति से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

मुंबई : बैंकॉक से तस्करी करने के आरोप में 37 वर्षीय एक महिला गिरफ्तार

मुंबई : एयरपोर्ट कस्टम्स की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकॉक से 5.56 करोड़ रुपये की कीमत की हाइड्रोपोनिक वीड की तस्करी करने के आरोप में 37 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया है। कस्टम्स सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की सुबह एयर इंटेलिजेंस यूनिट अधिकारियों ने बैंकॉक से आने के बाद तमिलनाडु के तिरुवल्लुवर की रहने वाली सबीना यासीन नामक एक यात्री को इस खुफिया सूचना के आधार पर रोका था कि वह मादक पदार्थ ले जा रही है। कस्टम्स अधिकारियों ने उसके ट्रॉली बैग की जांच की और उसमें हरे रंग के पदार्थ से भरे छह पैकेट पाए। जांच करने पर उक्त पदार्थ हाइड्रोपोनिक वीड (मारिजुआना) पाया गया। एजेंसी के अधिकारियों ने अवैध बाजार में 5.56 करोड़ रुपये मूल्य की कुल 5565 ग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद की।

एजेंसी के अधिकारियों ने तब सबीना का बयान दर्ज किया, जिसने स्वीकार किया कि उसे पता था कि भारत में हाइड्रोपोनिक वीड और अन्य अवैध दवाओं की तस्करी करने पर कड़ी सजा का प्रावधान है। एआईयू के एक सूत्र ने बताया, ''उसने कहा कि उसे भारत में ड्रग्स की तस्करी के बदले में जल्दी और आसानी से मोटी रकम मिल रही थी।'' सबीना की भूमिका के बारे में बताते हुए एक अधिकारी ने कहा, ''वह ज्ञात और अज्ञात व्यक्तियों के साथ साजिश में शामिल पाई गई है और भारत में ड्रग्स की खरीद, छुपाने, ले जाने, परिवहन और आयात में सहायता और सहयोग करती है। प्रारंभिक जांच में मामले में और लोगों की संलिप्तता का पता चला है, जिनका पता लगाया जाना अभी बाकी है।''

विरार अनार्ला पुलिस थाने में कार्यरत पुलिस उपनिरीक्षक ने घर में फांसी लगाकर की आत्महत्या !

विरार : विरार अनार्ला पुलिस थाने में कार्यरत एक पुलिस उपनिरीक्षक ने मंगलवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह चौंकाने वाली घटना सामने आने के बाद बोलींज पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए विरार के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने इस मामले में अकस्मात मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है। मृतक पुलिस उपनिरीक्षक की पहचान रतीकांत भद्रेशेट्टे (35) के रूप में हुई है, जो विरार के बोलींज इलाके में स्थित साई ब्रह्मा अपार्टमेंट में रहते थे। उन्होंने घर के छत पर लगे हुक से

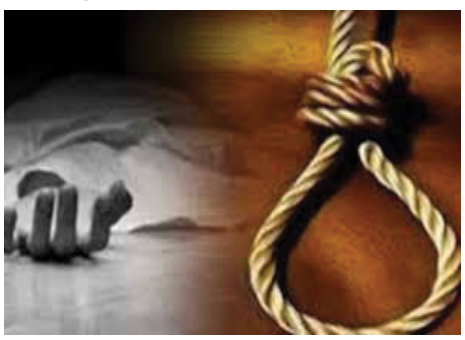

बेडशीट के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या की। इस दुखद घटना के समय उनकी पत्नी और डेढ़ साल की बेटी घर पर नहीं थीं, क्योंकि वे एक कार्यक्रम में गई हुई थीं। जब वे घर लौटीं, तब यह घटना सामने आई। मृतक पुलिस उपनिरीक्षक के परिवार में उनकी पत्नी और एक छोटी बेटी हैं। बताया गया कि अगस्त में उनके भाई की पुणे में करंट लगने से मौत हो गई थी, जिसके बाद से वे मानसिक तनाव में थे। पुलिस उपायुक्त जयंत बजबळे ने बताया कि करीब 5-6 महीने पहले उन्होंने परिवार को फोन करके आत्महत्या करने की बात कही थी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com